

# पैटर्न मेकिंग: डार्ट इन सीम

पैटर्न मेकिंग की शृंखला के तीसरे भाग यानी पिछले अंक में एन.ए.खान, एसोसिएट प्रोफेसर, निपट दिल्ली ने डार्ट द्वारा फिटिंग समस्या दूर करने व डिजाइन में डार्ट की मदद पर चर्चा की थी. इस बार वे डार्ट को काट करके उसको स्टाइल लाइन या प्रिंसेस सीम में बदलने की प्रक्रिया समझा रहे हैं. इस तरह के डार्ट्स को डार्ट इन सीम भी कहते हैं.

## डार्ट इन सीम को दो तरीके से बनाया जा सकता है.

1. प्रिंसेस लाइन द्वारा
2. इंपायर लाइन द्वारा

प्रिंसेस लाइन: डार्ट का इनले काट करके फ्रंट या बैक में दो पैनल में बदलना प्रिंसेस लाइन कहलाता है. प्रिंसेस लाइन दो तरीके की होती है.

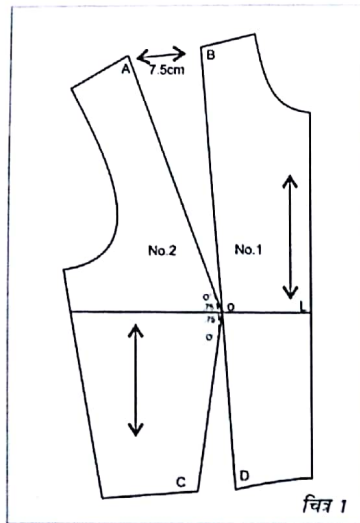
- 1.शोल्डर प्रिंसेस लाइन
- 2.आर्महोल प्रिंसेस लाइन

फ्रंट में बदलाव

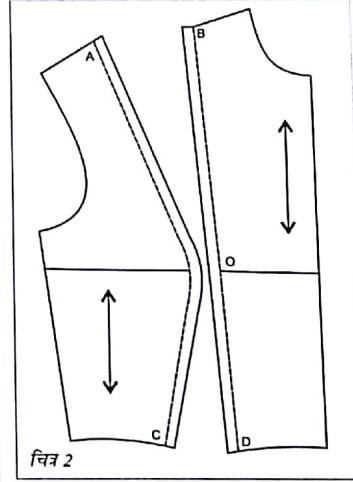
शोल्डर प्रिंसेस लाइन

शोल्डर प्रिंसेस लाइन बनाने के लिए हमने शोल्डर व वेस्ट डार्ट वाला पैटर्न प्रयोग किया है ( देखें अपैरल ऑनलाइन जुलाई अंक, पेज नं. 30-31).

इसमें AB शोल्डर डार्ट व CD वेस्ट डार्ट है. O बस्ट प्वाइंट है. O प्वाइंट से हमने OA, CO लाइन पर .75 सें.मी. की दूरी पर O<sup>I</sup>, O<sup>II</sup> मार्क किया है और O<sup>I</sup>, O<sup>II</sup> को फ्रेंच कर्व की मदद से जोड़ दिया. (चित्र 1)



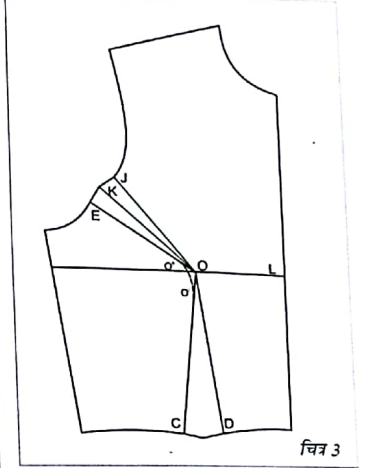
अब B,D को काट कर अलग करें. इसमें फ्रंट का पैटर्न दो पार्ट में बदल गया है जिसे हम पैनल कहते हैं. दायां भाग सेंटर फ्रंट पैनल व बायां भाग साइड पैनल कहलाता है, दोनों पैनलों में O प्वाइंट पर जो कर्व शेप दिया है, उसको कैंची द्वारा शेपिंग करें. (देखें चित्र 2.)



चित्र 2

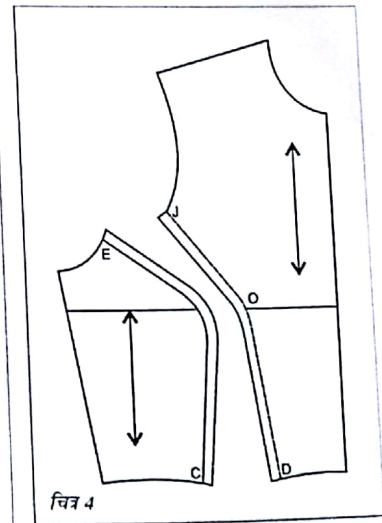
इसमें दिए गए तीर के निशान से खड़े कपड़े (ग्रेन लाइन)की दिशा का पता चलता है. ध्यान रहे कि जब हम प्रिंसेस लाइन बना रहे हैं तो शोल्डर डार्ट का इनटेक (मार्जिन) 7 सें.मी. से बढ़कर 7.75 सें.मी. हो जाएगा क्योंकि बस्ट शेपिंग में जो पैटर्न कम हो रहा है, उसे पूरा करने के लिए हमें शोल्डर डार्ट .75 सें.मी. बढ़ानी होगी. इसी तरीके से आर्महोल प्रिंसेस के लिए हम आर्महोल डार्ट वाला पैटर्न प्रयोग में लाते हैं. (चित्र 3)

## आर्महोल प्रिंसेस लाइन



चित्र 3

इसमें O<sup>I</sup>, O<sup>II</sup> की दूरी 1.5 इंच है और O के पास कर्व की शेप बनाने के लिए फ्रेंच कर्व प्रयोग किया गया है. अब JD को O पर कर्व देते हुए काटें जैसे चित्र 3 में है और इसके बाद CO, O व E को कर्व शेपिंग देते हुए काटें. इसमें भी फ्रंट दो पैनल में बदल जाएगा. तैयार पैटर्न के लिए चित्र 4 देखें.

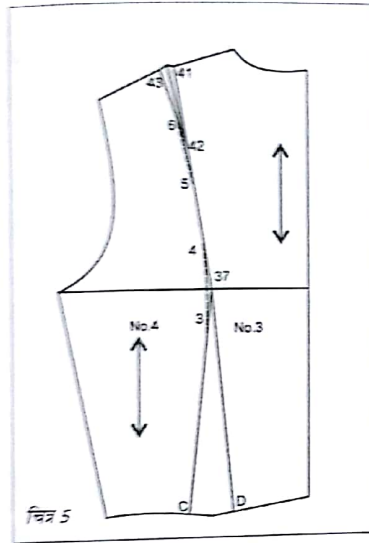


चित्र 4

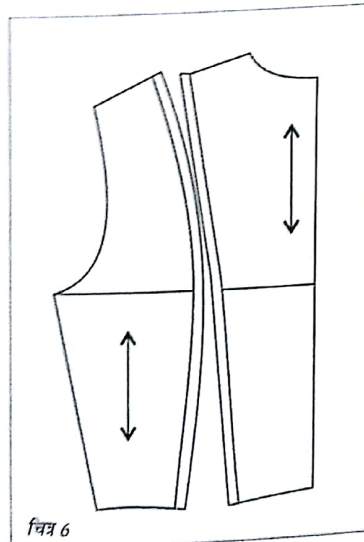
ध्यान रहे कि आर्महोल डार्ट जैसे-जैसे जोड़े आता है,  $O^1$ ,  $O^{11}$  घेने (शार्प) कर्व में बदलता जाता है व आर्महोल डार्ट जैसे-जैसे ऊपर (शोल्डर की तरफ) जाता है तो  $O^1$ ,  $O^{11}$  सपाट / समतल कर्व में बदल जाता है.

### बैक में बदलाव

फ्रंट में शोल्डर प्रिंसेस लाइन बनाने के बाद बैक में शोल्डर प्रिंसेस लाइन विकसित की गई है. इसमें प्वाइंट नं. 37 व 42 को एक समतल वक्र से जोड़े. देखें प्वाइंट नं. 3-4 व 5-6, डॉटड लाइन से कर्व हैं. (देखें चित्र 5).

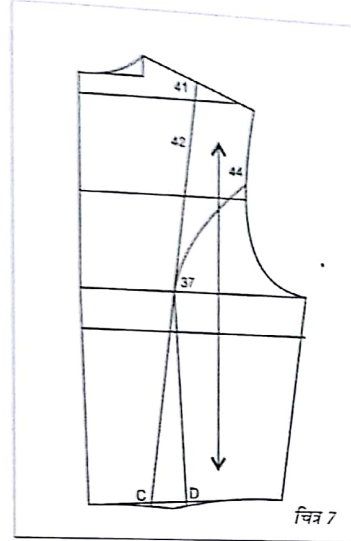


42 व 37 को हल्का कर्व शेप देते हुए 41-42-37 व D तक काट कर अलग करें. इसके बाद C-4-5-6 व 43 को काटें. ये भी पैन्ल में बदल जाएगा. (चित्र 6)

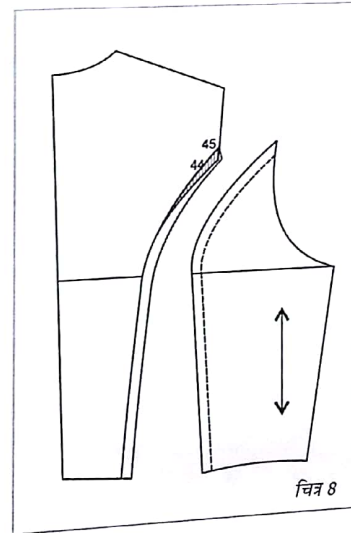


### बैक में आर्महोल प्रिंसेस

आर्महोल पर 44 मार्क करें और उसे 37 से कर्व शेप में जोड़ें. इसमें हम बिना शोल्डर डार्ट वाला पैटर्न प्रयोग कर रहे हैं. (चित्र 7)



D, 37 व 44 को काट कर अलग करें. C-37 वेस्ट डार्ट मार्जिन काटें. यह भी दो पैन्ल में बदल जाएगा. 44 से 45 डार्ट मार्जिन 1 सें.मी. है जोकि शोल्डर डार्ट मार्जिन को आर्महोल से निकाला गया है (चित्र 8)



डिजाइन के अनुसार 44 ऊपर या नीचे जा सकता है, हालांकि ज्यादातर यह बैक पिच प्वाइंट के आसपास रहता है. बैक पिच प्वाइंट पर हम आगे चर्चा करेंगे. इस शृंखला का अगला लेख इंपायर लाइन डिजाइन पर केंद्रित होगा.